डॉ._____

एम.बी.बी.एस., एम.डी./एम.एस. _____

चिकित्सा प्रमाण पत्र

संबंधित व्यक्तियों के लिए

1. यह कि, यह प्रमाणपत्र मैंने एक डॉक्टर के रूप में अपने कर्तव्यों के अनुसार मेरी हिपोक्रेटी शपथ और डॉक्टरों पर लागू कानून के अनुसार जैसे की माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निम्नलिखित मामलों में समझाया गया है;

1. Common Cause Vs. Union of India (2018) 5 SCC 1
2. Montgomery Vs. Lankashire Health Board 2015 UKSC 11
3. Airedale NHS Trust Vs. Bland reported (1993) 2 WLR 316

कि उपरोक्त कानूनी पूर्वोदाहरणों के अनुसार जब रोगी/व्यक्ति ने मुझसे टीका या मार्गदर्शन लेने के लिए संपर्क किया तो यह मेरा कर्तव्य है कि मैं:

a. रोगी को खतरनाक-मौत के जोखिम या टीकों के किसी भी दुष्प्रभाव के बारे में सूचित करू और बताऊँ की टीका लेना पूरी तरह से सुरक्षित नहीं है।
b. रोगी को सभी वैकल्पिक उपचारों और बेहतर या उपलब्ध किसी भी विकल्प के बारे में सूचित करू, जैसे कि शरीर में विकसित प्राकृतिक प्रतिरक्षा टीके लेने की तुलना में बहुत बेहतर और अच्छा है।
c. यह सूचित करु की मात्र वैक्सीन Sars-CoV-2 वायरस के कारण होने वाले कोविड -19 से किसी भी सुरक्षा की गारंटी नहीं है।
d. भारत सरकार के आधिकारिक प्रोटोकॉल में उपलब्ध किसी अन्य वैकल्पिक उपचार जैसे कि Ivermectin, विटामिन-डी, हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन, आयुर्वेदिक, प्राकृतिक चिकित्सा, आदि के बारे में रोगी को सूचित करूं।
e. टीके प्रायोगिक हैं और उन्हें आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण (ईयूए) दिया गया है, यह रोगी को सूचित करू।
f. रोगी को यह सूचित करू कि भले ही वह 'सूचित सहमति फॉर्म' पर हस्ताक्षर करता है, उसके पास किसी भी समय उक्त सहमति को वापस लेने का अधिकार है।
g. यह सूचित करू कि यदि उसे वैक्सीन की किसी भी सामग्री से कोई एलर्जी है या यदि वह किसी निषिद्ध श्रेणी में है तो कानून के अनुसार और वैक्सीन निर्माता की अपनी घोषणाओं के अनुसार, व्यक्ति को टीके नहीं लेने चाहिए।
h. रोगी को उसकी ज्ञात भाषा में सब कुछ सरल तरीके से समझाऊ।

कि, उक्त कर्तव्य के अनुसार मैंने श्री./श्रीमती ___________________ मेरे पास उपलब्ध सभी सूचनाओं के बारे में और उनके साथ व्यक्तिगत बातचीत के बाद, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि उनका टीकाकरण के लिए जाना उचित नहीं है क्योंकि

1. वह टीका लेने के लिए तैयार नहीं है और नागरिक और राजनीतिक अधिकारों (आईसीसीपीआर) पर अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध के अनुच्छेद 7 और जैवनैतिकता और मानव अधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणा के प्रावधान (यूडीबीएचआर), 2005 के अनुसार हम अपने कर्तव्य में असफल होंगे यदि मैं या चिकित्सा क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति उसे टीका देता है। हाल ही में माननीय उच्च न्यायालय ने Registrar General Vs. State of Meghalaya 2021 SCC OnLine Megh 130 के मामले मे फैसला सुनाया है कि उसकी सहमति के खिलाफ टीका देना एक दिवानी और फौजदारी अपराध होगा।

या

i) उसे एलोपैथिक दवाओं से एलर्जी है;
या

ii) उसे टीकों की सामग्री से एलर्जी हो रही है;
या

iii) वह टीका निर्माण कंपनियों द्वारा दी गई प्रतिबंधित श्रेणियों में है;
या

iv) वह कोरोना के चपेट में आ गया है और उसने प्राकृतिक प्रतिरक्षा विकसित कर ली है जो टीकों के इंजेक्शन से उत्पन्न प्रतिरक्षा की तुलना में बहुत बेहतर, व्यापक और अच्छी है।यह दशकों तक चलता है।जिस व्यक्ति को पूरे टीके लगाए गए है, उसे फिर से कोरोना हो सकता है और वायरस फैल सकता है। [Madan Mili Vs. UOI 2021 SCC OnLine Gau 1503]

v) लेकिन जो व्यक्ति कोरोना से ठीक हो गया या कोरोना के संपर्क में आया, वह संक्रमण का प्रसारक नहीं हो सकता है और इसलिए वह सबसे सुरक्षित श्रेणी में है और इसलिए उसे वैक्सीन लेने की आवश्यकता नहीं है यानी निचले स्तर पर जाने की।
या

vi) वह व्यक्ति जो टीकों के साइड इफेक्ट का जोखिम लेने को तैयार नहीं है और भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार वैक्सीन ले रहा है स्वैच्छिक है और ऐसे व्यक्ति को कोई मुआवजा नहीं दिया जाता है, इसलिए मैं टीकों के पक्ष में कोई सिफारिश नहीं दे सकता

vii) याMontgomery’s case [2015] UKSC 11 में बताए गए और अनिवार्य डॉक्टर के रूप में मेरे कर्तव्य के अनुसार, मैंने उन्हें आईसीएमआर, आयुष विभाग आदि द्वारा जारी प्रोटोकॉल में उल्लिखित वैकल्पिक उपचारों के बारे में सूचित किया है और उस व्यक्ति ने इवरमेक्टिन के अपने

झुकाव और पसंद को दिखाया है। /विटामिन-डी/आयुर्वेदिक कड़ा/प्राकृतिक चिकित्सा आदि इसलिए उसे टीके लेने के लिए मजबूर या अनुशंसित नहीं किया जा सकता है।

viii)याअपने कर्तव्य के अनुसार मैंने उन्हें बताया कि टीकों को अंतिम रूप से अनुमोदित नहीं किया गया है क्योंकि चरण - (III) परीक्षणों के परिणाम ज्ञात नहीं हैं और टीकों का आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण (ईयूए) के तहत प्रयोग किया जा रहा है। रोगी ने अपने शरीर पर किए जा रहे इस तरह के प्रयोग के लिए खुद को प्रस्तुत करने से इनकार कर दिया और इसलिए यूडीबीएचआर, 2005 के अनुसार मैं या कोई भी उसे मजबूर नहीं कर सकता।

इसलिए, मैं सिफारिश करता हूं कि व्यक्ति को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से टीके लेने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा और उस पर कोई दबाव नहीं डाला जाएगा जिससे उसे मानसिक दबाव, आघात और कठिनाई हो सकती है।

_____

डॉ. ……..

संलग्न-पत्रादि:

1) निर्णय:
   I. Common Cause Vs. Union of India (2018) 5 SCC 1 [Page No. 6 to 13]
   II. Montgomery Vs. Lankashire Health Board 2015 UKSC 11 [Page No. 14 to 46]
   III. Airedale NHS Trust Vs. Bland reported (1993) 2 WLR 316 [Page No. 47 to 131]
   IV. Registrar General Vs. State of Meghalaya 2021 SCC OnLine Megh 130 [Page No. 132 to 136]
   V. Madan Mili Vs. UOI 2021 SCC OnLine Gau 1503 [Page No. 137 to 140]
2) जैवनैतिकता और मानव अधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणा, 2005 [पृष्ठ संख्या 141 से 147]
3) नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय घोषणापत्र का अनुच्छेद 7 [पृष्ठ संख्या 148 से 149]

4) **COVID-19 वैक्सीन एडमिनिस्ट्रेशन सेल (CVAC) ने RTI के जवाब में 02.अगस्त 2021 को स्पष्ट रूप से निम्नलिखित संकेत दिए हैं**

MOHFW/R/E/21/04552:

"यदि कोई COVID टीकाकरण से पहले किसी विशिष्ट स्वास्थ्य कारण से चिंतित है, तो कृपया एक डॉक्टर / स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से परामर्श करें।

यह विधिवत सलाह दी जाती है, विज्ञापित और संचारित किया जाता है कि सभी नागरिकों को टीका लगवाना चाहिए, लेकिन इसका किसी भी तरह से अर्थ यह नहीं है कि किसी भी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध टीकाकरण के लिए बाध्य किया जा सकता है। कोविड टीकाकरण स्वैच्छिक है। "

ध्यान दें - कृपया कोवाकसीन , कोविशील्ड और सपुटनिक टीके के फैक्टशीट्स के संबंधित संलग्न अनुभाग को देखे , जिसमें कहा गया है कि कुछ श्रेणियों के व्यक्तियों को वैक्सीन नहीं दी जानी चाहिए। कृपया प्रासंगिक आरटीआई से कुछ और जानकारी भी प्राप्त करें, जिस पर यह प्रमाण पत्र आधारित है।

टीके किसे नहीं लेनी चाहिए

COVAXIN

1) Covaxin की वेबसाइट पर उपलब्ध तथ्य पत्रक में कहा गया है कि कुछ श्रेणियों के व्यक्तियों को टीका नहीं लगाया जाना चाहिए। तथ्य पत्रक यहां पाया जा सकता है- https://www.bharatbiotech.com/images/covaxin/covaxin-fact-sheet.pdf

तथ्य पत्रक का प्रासंगिक भाग नीचे दिया गया है:

"कोवैक्सिन प्राप्त करने से पहले आपको अपने टीका प्रदाता को क्या उल्लेख करना चाहिए? अपने टीकाकरण की निगरानी करने वाले टीके/अधिकारी को अपनी सभी चिकित्सीय स्थितियों के बारे में बताएं, इसमें यदि आप भी शामिल हैं:

• किसी बीमारी के लिए नियमित दवा पर हैं, कितने समय से और किस स्थिति के लिए।

इनमें से किसी भी स्थिति में वैक्सीन लेना उचित नहीं है-

• कोई एलर्जी है

• बुखार होना

• खून बह रहा विकार या खून पतला करने वाला है

• प्रतिरक्षित हैं या ऐसी दवा ले रहे हैं जो आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करती है

• गर्भवती हैं

• स्तनपान करा रहे हैं

• एक और कोविड-19 टीका प्राप्त कर लिया है

कोवैक्सिन किसे नहीं लेना चाहिए –

आपको Covaxin नहीं लेना चाहिए यदि आपको :

A. टीके के किसी भी घटक से गंभीर एलर्जी की प्रतिक्रिया हैं
B. टीके की पिछली खुराक के बाद गंभीर एलर्जी प्रतिक्रिया हुई
C. वर्तमान में तीव्र संक्रमण या बुखार है”

2) इसके अलावा भारत बायोटेक द्वारा जारी एक दस्तावेज में "उत्पाद विशेषताओं का सारांश" दिनांक 15 जनवरी 2021 को, टीके के प्रभाव को कुछ श्रेणियों के काम और व्यायाम के लिए समझाया गया है। रिपोर्ट का प्रासंगिक हिस्सा नीचे दिया गया है:

> ४.५ अन्य औषधीय उत्पादों के साथ परस्पर क्रिया ।
>
> क्लोरोक्वीन और कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स क्योंकि वे एंटीबॉडी प्रतिक्रिया को ख़राब कर सकते हैं।
>
> ४.७ मशीनों को चलाने और उपयोग करने की क्षमता पर प्रभाव मशीनों को चलाने और उपयोग करने की क्षमता पर COVAXINTM के प्रभाव पर कोई अध्ययन नहीं किया गया है।

15 जनवरी 2021 की "उत्पाद विशेषताओं का सारांश" का लिंक यहां पाया जा सकता है: https://cdsco.gov.in›COVAXIN-SMPC_-BBIL

3) यह प्रस्तुत किया जाता है कि क्लोरोक्वीन मुख्य रूप से उन क्षेत्रों में मलेरिया को रोकने और इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली दवा है जहां मलेरिया इसके प्रभावों के प्रति संवेदनशील रहता है। कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स दवा का एक वर्ग है जो शरीर में सूजन कम करता है । वे प्रतिरक्षा प्रणाली की गतिविधि को भी कम करते हैं। क्योंकि कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स सूजन, खुजली, लालिमा और एलर्जी को कम करते हैं, डॉक्टर अक्सर उन्हें अस्थमा जैसी बीमारियों के इलाज में मदद करने के लिए लिखते हैं।

4) जैसा कि ऊपर से देखा जा सकता है कि ऐसी कई बीमारियां हैं जिनके लिए टीका नहीं लिया जाना चाहिए/दिया जाना चाहिए। प्रतिरक्षा क्षमता में खराबी कई कारणों से हो सकती है, जैसे

- पुरानी चिकित्सीय स्थितियां, जैसे हृदय रोग, फेफड़े की बीमारी, मधुमेह, एचआईवी और कैंसर
- स्व-प्रतिरक्षित रोग, जैसे ल्यूपस, मल्टीपल स्केलेरोसिस, और रुमेटीइड गठिया
- दवाएं या उपचार, जैसे विकिरण चिकित्सा
- प्रत्यारोपण, जैसे अस्थि मज्जा या ठोस अंग

यह यहां पाया जा सकता है:

https://www.healthline.com/health/immunocompromised-how-to-know-if- you-have-a-weakned-immune-system

Covishield

5) इसी तरह कोविशील्ड वैक्सीन की फैक्ट शीट उन श्रेणियों को बताती है जिन्हें वैक्सीन नहीं लेनी चाहिए। तथ्य पत्रक तक पहुँचा जा सकता है: https://www.seruminstitute.com/pdf/covishield_fact_sheet.pdf

6) तथ्य पत्रक का प्रासंगिक भाग नीचे दिया गया है:

<u>"कोविशील्ड वैक्सीन प्राप्त करने से पहले आपको अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से क्या उल्लेख करना चाहिए:</u>

स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को अपनी सभी चिकित्सीय स्थितियों के बारे में बताएं, जिनमें शामिल हैं;

• यदि आपको कभी भी किसी दवा, भोजन, किसी टीके या कोविशील्ड वैक्सीन के किसी घटक के बाद गंभीर एलर्जी प्रतिक्रिया (एनाफिलेक्सिस) हुई हो

• अगर आपको बुखार है

• यदि आपको रक्तस्राव विकार है या रक्त को पतला करने वाली दवा है

• यदि आप प्रतिरक्षित हैं या ऐसी दवा ले रहे हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करती है

• यदि आप गर्भवती हैं या गर्भवती होने की योजना बना रही हैं

• यदि आप स्तनपान करा रही हैं

• अगर आपको एक और कोविड-19 वैक्सीन मिली है

कोविशील्ड टीका किसे नहीं लेना चाहिए

आपको कोविशील्ड टीका नहीं लेना चाहिए अगर आप

- पिछले टीके के बाद आपको इस टीके की वजहसे तीव्र असहनीय अलर्जी आई हो
- इस टीके के किसी घटक से आपको तीव्र अलर्जी हो

7) कोविशील्ड टीके का जोड़पत्र व्यक्तियों के निश्चित समूह को कोविड़ 19 टीका न देने के बारे में सावधानी सूचना देता हैं। उत्पाद विवरण पत्र आपको निम्न लिंक पर मिल सकता है।

https://www.seruminstitute.com/pdf/covishield_ChAdOx1_nCoV19_corona_virus_vaccine_insert.pdf

8) उत्पाद विवरण पत्र का संबंधित भाग निम्न प्रकार है।

4.4 उपयोग के लिए विशेष सूचना एवं विशेष सावधानिया

अतिसंवेदनशीलता

टीका देने के बाद नीचे दिए गए किसी भी प्रकार के तीव्र अलर्जीक प्रतिक्रिया होती है तो इन्जेक्शन से देने वाले सभी टीकों के लिए उपयुक्त आरोग्य चिकित्सा एवं देखरेख हमेशा तुरंत उपलब्ध होनी चाहिए।

समपाती बीमारी

कोविशील्ड के साथ और कोई भी टीका देना टालना चाहिए जब कोई भी व्यक्ति तीव्र febrile illness यानि जिसमें तीव्र बुखार हो ऐसी कोई भी बीमारी। बहरहाल कोई भी छोटा मोटा संक्रमण जैसे सर्दी या कम बुखार हो तो टीकाकरण टालना नहीं चाहिए।

थ्रोम्बोसाइटोपेनिया और खून जमा होनेवाला विकार

जिन लोगों को थ्रोम्बोसाइटोपेनिया या कोई खून जमा होनेवाला विकार (कोएजेशन डीसीज) हो उन्हे या जिनकी कोएजेशन विरोधी उपचार चल रहे हो उन्हे, और अंतरपेशीय इन्जेक्शन की तरह कोविशील्ड भी सावधानी से देना चाहिए क्योंकि अंतरपेशीय प्रयोग की वजह से उन्हे खून आना, खरोंच लगाना हो सकता हैं।

बिगड़ी हुई प्रतिरक्षा प्रणाली या कम प्रतिरक्षा क्षमता वाले लोग

जिनकी प्रतिरक्षा क्षमता खराब हैं वे व्यक्ति अच्छी प्रतिकार क्षमता के लोगों की तरह टीके का परिणाम पा सकते हैं या नहीं यह अभी तक संशोधित नहीं हैं।

खराब प्रतिरक्षा वाले व्यक्ति टीका संरक्षक के उचित परिणाम नहीं प सकते

अन्य औषधियों के साथ परस्परक्रिया एवं परस्पर क्रियाओं के अन्य प्रतिरूप

4.5 कोविशील्ड की परस्पर क्रियाएं संशोधित नहीं की गई है। No interaction studies have been performed. अन्य टीकों क साथ कोविशील्ड का प्रयोग परिणाम का अभ्यास भी नहीं किया गया हैं।

4.6 जनन क्षमता, गर्भावस्था और स्तन्यपान

जननक्षमता

प्राणियों पर किया गया प्रारम्भिक संशोधन से जननक्षमता पर होनेवाले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष परिणाम सामने नहीं आए है।

गर्भावस्था
गर्भवती स्त्री पर ChAdOx1 nCoV-19 कोरोना विषाणु टीके के इस्तेमाल के बारे में सीमित अनुभव है।

स्तन्यपान

मानवी स्तन्य में कोविशील्ड उत्सर्जित होता है या नहीं यह पता नहीं चल पाया है।

9) थ्रोम्बोसाइटोपेनिया विकार में प्लेटलेट्स की संख्या में भयंकर गिरावट आती हैं। यह गिरावट रक्तसत्राव का खतरा बढ़ाती है। कर्करोग से मुक्त व्यक्तियों को भी थ्रोम्बोसाइटोपेनिया हो सकता है। कोएजुलेशन विकार भी रक्त को जमाने की शरीर की क्षमता मे अवरोध निर्माण करता हैं कोएजुलेशन विकार से नकसीर (खून का कम जमना जो रक्तसत्राव का खतरा बढ़ाता हैं) या थरोमबोसिस (खून का बहुत ज्यादा जमना जो खून के थक्कों से खून ने बहने में अवरोध पैदा करता हैं।)अन्य अंतरपेशीय इन्जेक्शन की तरह कोविशील्ड भी थ्रोम्बोसाइटोपेनिया या अन्य कोएजेशन विकार से पीड़ित व्यक्ति या कोएजेशन विरोधी उपचार लेने वाले व्यक्तियों को सावधानी के साथ देना होगा क्योंकि इसके अंतरपेशीय प्रयोग से ऐसे व्यक्तियों मे रक्तसत्राव या खरोंच लगने का खतरा हो सकता है।

10) यह संज्ञान में अन्य औषधि उत्पादों के साथ उपयोग मधुमेह, हृदय समस्या या अन्य जीवनशैली प्रेरित विकारों से ग्रसित लोग जिन्हे नियमित औषधि की आवश्यकता हैं ।

11)ब्रेस्ट फीडिंग - मानवी स्तन्य में कोविशील्ड उत्सर्जित होता है या नहीं यह पता नहीं चल पाया है। चूंकि यह टीका कमजोर जीवित विषाणु या निष्क्रिय विषाणु तकनिक नहीं है बल्कि पुनरयोजित डीएनए तकनीक हैं जिसमें ग्रन्थि विषाणु Sars-cov 2 का स्पाइक प्रोटीन डीएनए अनुकणिका लेकर मानवी पेशी के केंद्र में प्रवेश करता हैं और मानवी पेशी के डीएनए को mRNA निर्माण करने का आदेश देता हैं। जो रैबो झोंम को स्पाइक प्रोटीन निर्माण करने के आदेश देता हैं उसके बाद हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली प्रोटीन

को प्रतिक्रिया देता हैं। यह बहुत ही खतरनाक हैं क्योंकि जब नवजात बच्चे मानवी दूध पियेंगे तो उसकी प्रतिक्रिया क्या होगी यह हम नहीं जानते। पुनरयोजित डीएनए कोविशील्ड टीके के बारे मे जानकारी देनेवाले समाचार लेख की लिंक निम्न दी गई हैं https://www.nytimes.com/interactive/2020/health/oxford-astrazeneca-covid-19-vaccine.html

12) इस से आगे बचाव की अवधि और बचाव का स्तर क्या है यह अभी तक प्रमाणित नहीं हो पाया है। कोविशील्ड का टीका लेना टीका लेने वाले सभी व्यक्तियों को सुरक्षित नहीं कर सकता है। उपरोलिखित विधानोसे ऐसे बहुत विकार है जिनके वजहसे टीका दिया/ लिया नहीं जा सकता है। मधुमेह, हृदय विकार, थाइरॉइड ग्रन्थि विकार आर्थ्राइटिस, करोहनस विकार, सोरायसिस, एक्सिमा इत्यादि अनेक विकारों से लोगोंकी प्रतिकार क्षमता क्षीण हो सकती है। और उच्च अनुपात में लोग सहरुग्णता की वजहसे खून पतला करनेवाली औषधि का प्रयोग करते है। इसलिए सरकार और टीका उत्पादकोसे इस मामलों पर ज्यादा स्पष्टता की आवश्यकता है। निर्माताओं को इन मुद्दों पर अधिक स्पष्टता देनी चाहिए, और यदि ये अनुमान सही हैं, तो सरकार को सहरुग्णता वाले लोगों को टीका लगवाने की सिफारिश करना बंद कर देना चाहिए।

13) यह आगे प्रस्तुत किया गया है कि प्रतिरक्षा क्षमता क्षीण होने के कारण कई कारण हो सकते हैं:

- पुरानी आरोग्य स्थितियां, जैसे हृदय रोग, फेफड़े की बीमारी, मधुमेह, एचआईवी और कैंसर
- स्व-प्रतिरक्षित रोग, जैसे ल्यूपस, मल्टीपल स्केलेरोसिस, और रुमेटीइड गठिया
- दवाएं या उपचार, जैसे विकिरण चिकित्सा
- प्रत्यारोपण, जैसे अस्थि मज्जा या ठोस अंग
- गर्भावस्था
- उपरोक्त में से किसी का रोग समुच्चय

यह स्पष्टीकरण यहां पाया जा सकता है:

https://www.healthline.com/health/immunocompromised-how-to-know-if-you-have-a-weakned-immune-system

Sputnik

14) इसी तरह स्पुतनिक टीके का तथ्य पत्रक में उन श्रेणियों के बारे में बताया गया है जिन्हें टीका नहीं लेना चाहिए। निम्न लिंक से तथ्य पत्रक तक पहुँचा जा सकता है:

https://www.drreddys.com/sputnik/documents/102751-Sputnik_V-FACT-SHEET-Ufa-VITA.pdf

15)तथ्य पत्रक का प्रासंगिक हिस्सा इस प्रकार है:

स्पुतनिक वी का उपयोग करने से पहले आपको क्या जानना चाहिए

अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को अपनी सभी चिकित्सीय स्थितियों के बारे में बताएं, जिनमें शामिल हैं:

- यदि आपको गुर्दे या जिगर की समस्या है, अंतःस्रावी तंत्र के गंभीर विकार (मधुमेह मेलेटस), हेमटोपोइएटिक प्रणाली के गंभीर रोग, मिर्गी, स्ट्रोक और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के अन्य रोग हैं,
- यदि आपको हृदय प्रणाली के रोग हैं (मायोकार्डियल रोधगलन का इतिहास, मायोकार्डिटिस, अन्तर्हृद्शोथ, पेरिकार्डिटिस, इस्केमिक हृदय रोग),
- यदि आपको प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिरक्षण क्षमता, स्व-प्रतिरक्षित रोग हैं,
- यदि आपको फेफड़े के रोग, अस्थमा और सीओपीडी, एलर्जी के साथ, एटोपी, एक्जिमा है
- यदि आप गर्भवती हैं या गर्भवती होने की योजना बना रही हैं
- अगर आपको कोई और गंभीर बीमारी है
- यदि आप कोई दवा ले रहे हैं (नुस्खे, बिना पर्ची के मिलने वाले, विटामिन, या हर्बल उत्पाद)

वैक्सीन लेने का निर्णय लेने से पहले आपको अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से परामर्श करना चाहिए

स्पुतनिक वी टीका किसे नहीं लेना चाहिए ?

यदि आप

- टीके के किसी भी घटक या समान घटक वाले टीके के प्रति अतिसंवेदनशील हैं

• गंभीर एलर्जी प्रतिक्रियाओं का इतिहास

• यदि आप सामान्य सर्दी, नाक बहना, बुखार, खांसी, बदन दर्द या दस्त आदि से पीड़ित हैं

• अगर आप गर्भवती हैं

• 18 वर्ष तक की आयु (प्रभावकारिता और सुरक्षा पर डेटा की कमी के कारण)

• टीके के घटक I के इंजेक्शन के लिए टीकाकरण के बाद गंभीर जटिलताएं (एनाफिलेक्टिक शॉक, गंभीर सामान्यीकृत एलर्जी प्रतिक्रियाएं, ऐंठन सिंड्रोम, 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान, आदि) विकसित हुईं।

16) स्पुतनिक वी के लिए उत्पाद विशेषताओं का सारांश निम्नलिखित का उल्लेख करता है:

४.४ सावधानी से प्रयोग करें

पुरानी जिगर और गुर्दे की बीमारी, अंतःस्रावी विकार (स्पष्ट थायराइड समारोह असामान्यताएं और अपघटन चरण में मधुमेह मेलिटस) के मामलों में सावधानी के साथ टीका का उपयोग किया जाना चाहिए।

हेमटोपोइएटिक प्रणाली के गंभीर रोग, मिर्गी और अन्य सीएनएस रोग, तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम, और तीव्र मस्तिष्कवाहिकीय घटना, मायोकार्डिटिस, एंडोकार्डिटिस, पेरिकार्डिटिस।

डेटा की कमी के कारण, रोगियों के निम्नलिखित समूहों के लिए टीकाकरण एक जोखिम हो सकता है:

• ऑटोइम्यून बीमारियों के मामले में (प्रतिरक्षा प्रणाली की उत्तेजना से रोग और भी बढ़ सकता है, ऑटोइम्यून विकार वाले रोगियों के साथ विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए जो गंभीर और जीवन-धमकी की स्थिति पैदा करते हैं);

• घातक रसौली के साथ।

टीकाकरण का निर्णय प्रत्येक विशिष्ट स्थिति में लाभ/जोखिम अनुपात के आकलन पर आधारित होना चाहिए।

https://cdsco.gov.in/opencms/resources/UploadCDSCOWeb/2018/UploadSmPC/SMPCsputinikdr.Reddys.pdf

16)यह आगे प्रस्तुत किया गया है कि निम्नलिखित **सामान्य ऑटोइम्यून रोग** हैं –

https://www.healthline.com/health/autoimmune-disorders#common-autoimmune-diseases

१. टाइप १ मधुमेह

२. रुमेटीइड गठिया (आरए)

३. सोरायसिस/सोरायटिक गठिया

४. मल्टीपल स्क्लेरोसिस

५. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस (एसएलई)

६. सूजा आंत्र रोग

७. एडिसन के रोग

८. कब्र रोग

९. स्जोग्रेन सिंड्रोम

१०. हाशिमोटो का थायरॉयडिटिस

११. मियासथीनिया ग्रेविस

१२. ऑटोइम्यून वास्कुलिटिस

१३. घातक रक्ताल्पता

१४. सीलिएक रोग